

मोनाड विश्वविद्यालय में किया गया रक्तदान शिविर का आयोजन

बुलन्द संदेश ब्लूरो

पिलखवा (गणेन्द्र राठी)। रक्तदान न केवल जरूरतमंदों की जान बचाने में सहायक होता है, बल्कि रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक होता है। डॉ० प्ल० मा० जायेद मोनाड के लिए भी लाभदायक होता है। इससे शरीर में विश्वविद्यालय में गुरुवार को रोटेरी क्लब होरेंटेज गाजियाबाद वर्दोन मर्ट्सीपेशलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जेझो रोटेरी क्लब ने किया गया। इस रक्तदान शिविर में विविध के करीब 500 से अधिक शिविर समाज के प्रति विश्वविद्यालय की शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से भाग लिया। इस शिविर में विविध के प्रतिकूलाधिपति डॉ० एनक सिंह, उपकूलपति (प्रशासनिक) प्र० योगेश पाल सिंह, उपकूलपति

(अकादमिक) डॉ० जयदीप कुमार एवं उपकूलपति (एडमिशन) रोहित शर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर विविध के कुलपति ने कहा कि रक्तदान न केवल जरूरतमंदों की जान बचाने में सहायक होता है, बल्कि रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक होता है। इससे शरीर में नई रक्त कोशिकाएँ बनने की प्रक्रिया तेज होती है औ यह एक सामाजिक सेवा भी मानी जाती है। इसलिये रक्तदान को महानाम भी कहा जाता है। वहीं उपकूलपति (प्रशासनिक) प्र० योगेश पाल सिंह ने कहा कि विविध में आयोजित रक्तदान शिविर समाज के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ऐसे आयोजनों से न केवल छात्रों में सामाजिक सेवा की भावना विकसित होती है, बल्कि यह चिकित्सा क्षेत्र में भी एक सकारात्मक योगदान देता है। इस शिविर में



जरूरतमंद व्यक्तियों को सहायता के लिए किया जाएगा, खासकर आपातकालीन स्थितियों के दौरान जब रक्त आधार महत्वपूर्ण होता है। इस शिविर में विविध के डॉ० सौरेशी दाता, डॉ० आशीष गर्ग, डॉ० अमित चौधरी, मर्ट्सी सोलांकी, फरहान, आमिर, अंकुर सिरोही, सचिन धामा, गोरव शर्मा, नितन कुमार, कुलपीठा कुमार, सुमित्र कुमार एवं श्रवण कुमार आदि सहित लगभग 125 यूनिट रक्तदान किया गया। शिविर में रक्तदान करने वाले समस्त प्रतिभागियों को रोटेरी क्लब द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस शिविर में विविध के फारमी सकाय के संकायाध्यक्ष डॉ० अमित सिंह एवं प्राचार्य

(प्रशासनिक) प्र० योगेश पाल सिंह, उपकूलपति

मित्तल, क्लब ट्रेनर डू रंजीत खत्री, सदस्य मल्टीप्लेशलिटी हॉस्पिटल गाजियाबाद से डॉक्टर ने कहा कि रक्त का उपयोग अस्पतालों में डॉ० गरिमा गुप्ता का विशेष योगदान रहा।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान, द्वारा मनाया गया महाशिवरात्रि पर्व

बुलन्द संदेश ब्लूरो



गाजियाबाद (आशा चौधरी)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के संस्थानिक एवं संचालक दिव्य गुरु आशोप महाराज जी की कृपा से C-3 पटेल नगर। IInd शिख, गाजियाबाद, शाखा द्वारा महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर विशेष सतर्क धार्याएँ विश्वविद्यालय एवं अखण्ड साधारण शिविर का आयोजन किया गया, जिसका समय 26 फरवरी, 2025 को प्रातः 4 बजे से 27 फरवरी, 2025 को प्रातः 4 बजे तक था। इस अखण्ड साधारण शिविर में अनेक ग्राहालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और भगवान शिव के सद्गुरुओं को मानते हुए भगवान शिव के पावन धार्याएँ के भजनों के माध्यम से किया गया, जिसका आनंद सभी भजनों ने लिया। साथ ही भगवान शिव के श्रृंगार का आध्यात्मिक महत्व सभी भजनों को समझाया गया। माँ पार्वती द्वारा जान अवसर था, बल्कि यह समाज में शांति, प्रेम और खोज और भगवान शिव के सद्गुरुओं

को अपने जीवन में धार्या करने हुए, ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान-साधाना के माध्यम से शिवत्व की ओर अपने कदम आगे बढ़ाए। भजन संकीर्तन एवं सतर्क धार्याएँ का प्रारंभ इस महापर्व के महिमा को मनाते हुए भगवान शिव

को अपने जीवन में धार्या करने हुए, ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान-साधाना के माध्यम से शिवत्व की ओर अपने कदम आगे बढ़ाए। भजन संकीर्तन एवं सतर्क धार्याएँ का प्रारंभ इस महापर्व के महिमा को मनाते हुए भगवान शिव

को अपने जीवन में धार्या करने हुए, ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान-साधाना के माध्यम से शिवत्व की ओर अपने कदम आगे बढ़ाए। भजन संकीर्तन एवं सतर्क धार्याएँ का प्रारंभ इस महापर्व के महिमा को मनाते हुए भगवान शिव

को अपने जीवन में धार्या करने हुए, ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान-साधाना के माध्यम से शिवत्व की ओर अपने कदम आगे बढ़ाए। भजन संकीर्तन एवं सतर्क धार्याएँ का प्रारंभ इस महापर्व के महिमा को मनाते हुए भगवान शिव

को अपने जीवन में धार्या करने हुए, ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान-साधाना के माध्यम से शिवत्व की ओर अपने कदम आगे बढ़ाए। भजन संकीर्तन एवं सतर्क धार्याएँ का प्रारंभ इस महापर्व के महिमा को मनाते हुए भगवान शिव

को अपने जीवन में धार्या करने हुए, ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान-साधाना के माध्यम से शिवत्व की ओर अपने कदम आगे बढ़ाए। भजन संकीर्तन एवं सतर्क धार्याएँ का प्रारंभ इस महापर्व के महिमा को मनाते हुए भगवान शिव

को अपने जीवन में धार्या करने हुए, ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान-साधाना के माध्यम से शिवत्व की ओर अपने कदम आगे बढ़ाए। भजन संकीर्तन एवं सतर्क धार्याएँ का प्रारंभ इस महापर्व के महिमा को मनाते हुए भगवान शिव

को अपने जीवन में धार्या करने हुए, ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान-साधाना के माध्यम से शिवत्व की ओर अपने कदम आगे बढ़ाए। भजन संकीर्तन एवं सतर्क धार्याएँ का प्रारंभ इस महापर्व के महिमा को मनाते हुए भगवान शिव

को अपने जीवन में धार्या करने हुए, ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान-साधाना के माध्यम से शिवत्व की ओर अपने कदम आगे बढ़ाए। भजन संकीर्तन एवं सतर्क धार्याएँ का प्रारंभ इस महापर्व के महिमा को मनाते हुए भगवान शिव

को अपने जीवन में धार्या करने हुए, ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान-साधाना के माध्यम से शिवत्व की ओर अपने कदम आगे बढ़ाए। भजन संकीर्तन एवं सतर्क धार्याएँ का प्रारंभ इस महापर्व के महिमा को मनाते हुए भगवान शिव

को अपने जीवन में धार्या करने हुए, ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान-साधाना के माध्यम से शिवत्व की ओर अपने कदम आगे बढ़ाए। भजन संकीर्तन एवं सतर्क धार्याएँ का प्रारंभ इस महापर्व के महिमा को मनाते हुए भगवान शिव

को अपने जीवन में धार्या करने हुए, ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान-साधाना के माध्यम से शिवत्व की ओर अपने कदम आगे बढ़ाए। भजन संकीर्तन एवं सतर्क धार्याएँ का प्रारंभ इस महापर्व के महिमा को मनाते हुए भगवान शिव

को अपने जीवन में धार्या करने हुए, ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान-साधाना के माध्यम से शिवत्व की ओर अपने कदम आगे बढ़ाए। भजन संकीर्तन एवं सतर्क धार्याएँ का प्रारंभ इस महापर्व के महिमा को मनाते हुए भगवान शिव

को अपने जीवन में धार्या करने हुए, ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान-साधाना के माध्यम से शिवत्व की ओर अपने कदम आगे बढ़ाए। भजन संकीर्तन एवं सतर्क धार्याएँ का प्रारंभ इस महापर्व के महिमा को मनाते हुए भगवान शिव

को अपने जीवन में धार्या करने हुए, ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान-साधाना के माध्यम से शिवत्व की ओर अपने कदम आगे बढ़ाए। भजन संकीर्तन एवं सतर्क धार्याएँ का प्रारंभ इस महापर्व के महिमा को मनाते हुए भगवान शिव

को अपने जीवन में धार्या करने हुए, ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान-साधाना के माध्यम से शिवत्व की ओर अपने कदम आगे बढ़ाए। भजन संकीर्तन एवं सतर्क धार्याएँ का प्रारंभ इस महापर्व के महिमा को मनाते हुए भगवान शिव

को अपने जीवन में धार्या करने हुए, ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान-साधाना के माध्यम से शिवत्व की ओर अपने कदम आगे बढ़ाए। भजन संकीर्तन एवं सतर्क धार्याएँ का प्रारंभ इस महापर्व के महिमा को मनाते हुए भगवान शिव

को अपने जीवन में धार्या करने हुए, ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान-साधाना के माध्यम से शिवत्व की ओर अपने कदम आगे बढ़ाए। भजन संकीर्तन एवं सतर्क धार्याएँ का प्रारंभ इस महापर्व के महिमा को मनाते हुए भगवान शिव

को अपने जीवन में धार्या करने हुए, ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान-साधाना के माध्यम से शिवत्व की ओर अपने कदम आगे बढ़ाए। भजन संकीर्तन एवं सतर्क धार्याएँ का प्रारंभ इस महापर्व के महिमा को मनाते हुए भगवान शिव

को अपने जीवन में धार्या करने हुए, ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान-साधाना के माध्यम से शिवत्व की ओर अपने कदम आगे बढ़ाए। भजन संकीर्तन एवं सतर्क धार्याएँ का प्रारंभ इस महापर्व के महिमा को मनाते हुए भगवान शिव

को अपने जीवन में धार्या करने हुए, ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान-साधाना के माध्यम से शिवत्व की ओर अपने कदम आग

